जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 136 प्रभात कोटा, शुक्रवार 28 फरवरी, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विधानसभा में टूटा गतिरोध, नेता प्रतिपक्ष ने दिया बजट पर अपना जवाब

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा सहित सभी 6 विधायक बहाल हुए

जयपुर, 27 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से सदन में सात दिन से चल रहा गतिरोध टूट गया है। मुख्यमंत्री ने इस सोच के साथ, कि सदन में विपक्ष का भी सहयोग रहे, गतिरोध ख़त्म करने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री स्वयं चाहते थे कि सदन का सम्मान हो और बेवजह का गतिरोध टूटे। कांग्रेस के निलंबित 6 विधायक भी बहाल हो गए हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने डोटासरा के अपशब्दों के लिए माफी मांगी।

विधानसभा में बना गतिरोध तोड़ने के लिए, पहले विधानसभा में मुख्यमंत्री के चैम्बर में वार्ता हुई थी। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल शामिल हुए।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सदन में कहा कि जनप्रतिनिधि के प्रति जनता में जो भाव है, उसे ध्यान में रखना होगा। हमारे किसी सदस्य के मुंह से गलत बात निकलती है तो उसको भी रात को नींद नहीं आएगी, उसे पश्चाताप होता है। हम कुछ भी बोलें, सोच विचार कर बात रखनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि सदन चलना सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। मैं तो कहता हूं, 200 विधायकों की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का हमारा कोई विधायक अगर अच्छा बोलता है तो मैं उसे फोन करके बधाई देता हूं। मैंने नेता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से सदन में सात दिनों से चल रहा गतिरोध खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा सदन चलना सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है।

प्रतिपक्ष को भी फोन किया था कि आप अच्छा बोले। हमें गलत को गलत भी कहना सीखना होगा। मंत्री की टिप्पणी को भी सदन की कार्यवाही से निकल जाना चाहिए, विपक्ष हमारी ताकत है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं अध्यक्ष से आग्रह करता हूं कि मंत्री ने जो टिप्पणी की है, उसको भी सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। विपक्ष हमारी ताकत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस दिन मैं बैठा हुआ सदन में देख रहा था, दो ढाई मिनट में ही सारा वाकया हुआ। हमें टाइम ही नहीं मिला और सब कुछ हो गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विपक्ष हमारी ताकत है। सदन में उसका भी सहयोग रहे, इसलिए हम चाहते थे कि गतिरोध खत्म हो। उन्होंने कहा कि विधानसभा में संयम ही सबसे बड़ा नियम है।
- विधानसभा में मुख्यमंत्री ने अपने चैम्बर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल के साथ मीटिंग कर गतिरोध खत्म करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की।
- नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गतिरोध खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

नाबालिग का अपहरण व दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल कैद

जयपुर, 27 फरवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत, क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 1.15 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी जगमोहन अग्रवाल ने कहा कि अभियुक्त स्कूल जाने वाली पीड़िता को बहला- फुसलाकर अपने साथ

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने आरोपी पर 1.15 लाख रु. का जुर्माना भी लगाया और कहा कि नाबालिग की सहमति का कानून में कोई महत्व नहीं होता।

अहमदाबाद ले गया और उसके साथ संबंध बनाए। यदि इसमें पीड़िता की सहमति भी थी, तो भी यह अपराध की श्रेणी में ही माना जाएगा, क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि पीड़िता के पिता ने 2 मार्च, 2022 को हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यूरोपियन यूनियन का गठन ही, अमेरिका की ''ऐसी-कम-तैसी'' करने के लिए हुआ था?'

ट्रम्प ने यूरोपियन यूनियन से, अमेरिका को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात पुरजोर ढंग से दोहराते हुए यह ''धमाकेदार'' टिप्पणी भी की

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रपति दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 फरवरी। डॉनल्ड ट्रम्प ने ग्लोबल ट्रेड में फिर से तूफान उठा दिया है। उन्होंने शपथ ली है कि वे जल्दी ही ई.यू. (यूरोपियन यूनियन) पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे, उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपियन यूनियन का निर्माण अमेरिका को कमज़ोर करने के लिए किया गया था। इस बयान में टकराव का संकेत मिलता है। इसमें अमेरिका व ई.यू. के आर्थिक सम्बंध तोड़ने की धमकी है और इससे यह भी जाहिर होता है कि ई.यू. के प्रति ट्रम्प के दिल में कितना गहरा संदेह है। उनके शब्दों में न केवल टैक्स की धमकी है, बल्कि यह अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के भविष्य पर वैचारिक जंग का भी संकेत है।

ट्रम्प को लम्बे समय से यही लगता है कि ई.यू. अनुचित तरीके से अमेरिका का शोषण करता है। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने बार-बार यूरोप पर आरोप लगाया था कि यूरोप अमेरिका से तो निर्यात पर कम शुल्क का लुत्फ ले रहा है, पर अमेरिकन सामान के व्यापार में अवरोध पैदा कर रहा है। उन्होंने तब यूरोप के स्टील व एल्यूमिनियम पर टैरिफ लगाया था, जिसका ब्रसल्स ने कड़ा विरोध किया था। अगर उन्होंने अपनी नवीनतम धमकी पर अमल किया तो उनका प्रमुख निशाना यूरोप के ऑटो मोबाइल निर्माता होंगे, खासकर जर्मनी की कम्पनियां -बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ट्रम्प का टारगैट मुख्य रूप से जर्मनी की कार इण्डस्ट्री है, जिसमें विश्व विख्यात ब्रैण्ड्स, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडिज़ बैंज़ व फॉक्सवैगन शामिल हैं।
- ट्रम्प की धारणा है कि यूरोपियन यूनियन अमेरिका से आयातित कारों पर भारी टैरिफ लगाकर, उनकी यूरोप में बिक्री पर भारी कृत्रिम रूकावटें पैदा करता है तथा अमेरिका को निर्यात कारों पर बहुत कम टैरिफ लगाकर, अमेरिका में निर्मित कारों का मार्केट खराब करता आया है।
- ट्रम्प की, यूरोपियन यूनियन से आयातित कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की नीति से, ''मिड वैस्टर्न'' अमेरिका में स्थित कार निर्माता व उनके कर्मचारी बहुत खुश हैं। जैसा कि विदित ही है, ''मिड वैस्टर्न'' अमेरिका क्षेत्र ट्रम्प का गढ़ है, राजनीतिक दृष्टि से।
- पर, ''यूरोपियन यूनियन'' भी ट्रम्प की धमकी का, ईंट का जवाब पत्थर से देने को तैयार है। इससे अमेरिका के यूरोप को निर्यात कृषि उत्पाद, एरोस्पेस व इलैक्ट्रॉनिक सामान यूरोप में महंगे हो जायेंगे तथा इनकी बिक्री बहुत कम हो जायेगी।

क्या बात रोक रही है, भाजपा को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने से?

शायद मुख्य कारण है, पार्टी टोटल 36 प्रांतीय इकाईयों में से केवल 12 प्रांतीय इकाईयों के चुनाव पूरे करा पायी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 फरवरी। जैसा प्रतीत हो रहा है, जे.पी. नड्डा के अपने पद पर कुछ समय और बने रहने की संभावना है। ज्ञातव्य है कि इस पद पर उनका कार्यकाल पहले भी बढ़ाया जा चुका है। दरअसल, भाजपा अभी तक आधे राज्यों की पार्टी इकाइयों की संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया पूरी नहीं कर पायी है, जो पार्टी संविधान के अनुसार अत्यावश्यक है। फरवरी के अंत तक, 36 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में से केवल 12 के संगठनात्मक चुनाव ही सम्पन्न हुये हैं। अभी 6 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के चुनाव होना शेष है। यह प्रक्रिया 15 मार्च से पहले पूरी होती प्रतीत नहीं हो रही है।

संगठनात्मक चुनावों में विलम्ब होने के कई कारण रहे हैं- क्षेत्रीय गुटबंदी, नेतृत्व-विवाद तथा अंदरूनी मनमुटाव, पार्टी का दिल्ली विधानसभा चुनावों में व्यस्त हो जाना आदि। इसके अलावा, भाजपा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं की प्रयागराज के महाकुंभ मेले से संबंधित व्यस्तता भी उतना ही महत्वपूर्ण कारण रही है।

अब इन संगठनात्मक चुनावों को होली के त्योहार, अर्थात 14 मार्च से पहले पूरा करने के प्रयास शुरु हो गये हैं। विशेष रूप से हिन्दी भाषी राज्यों में पार्टी प्रदेशाध्यक्ष के चयन को लेकर सर्वसम्मति तक पहुँचने में भाजपा को काफी मशक्कत करनी पड़ी है। उदाहरणार्थ, उत्तर प्रदेश से जिला अध्यक्षों की कई सूचियाँ दिल्ली भेजी गई, लेकिन स्थानीय नेता मंडल तथा जिला स्तर पर अपने प्रत्याशियों के लिये फिर भी जोर लगा रहे हैं। कुछ अन्य राज्यों में, मंडल तथा जिला स्तर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पार्टी के संविधान के अनुसार, पार्टी को 50 प्रतिशत प्रांतीय इकाईयों के चुनाव पूरे करवाना जरूरी है, पार्टी अध्यक्ष के चुनाव से पहले।
- प्रांतीय इकाईयों के संगठन के चुनाव व प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव, शायद प्रांतीय नेताओं में आंतरिक अंतर विरोध, खेमेबाजी के कारण नहीं हो पा रहे हैं। अतः 15 मार्च से, होली के त्योहार से पहले पूरे होने की संभावना कम लग रही है।

हरियाणा में कांग्रेस के 5 नेता पार्टी से निष्कासित

नयी दिल्ली, 27 फरवरी। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस ने अपने पांच नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण छः साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि इन सभी नेताओं को हाल में हुए नगर निगम

- हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने कहा, इन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निकाला गया है।

चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने के कारण पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छः साल के लिए निष्कासित किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिन नेताओं को निष्कासित किया गया है, उनमें पटौदी से पूर्व विधायक रामवीर सिंह, फरीदाबाद से विजय कौशिक, फरीदाबाद वार्ड 36

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ट्रम्प हर बार भारत को तिरस्कृत करते जा रहे हैं, पर मोदी चुप क्यों हैं?'

कांग्रेस के प्रवक्ता ने, फ्रांस के राष्ट्रपति व ट्रम्प की प्रैस कॉन्फ्रैंस की क्लिप दिखाकर यह सवाल उठाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 फरवरी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की अपेक्षित भूमिका का निर्वहन करते हुये, कांग्रेस ने आज मोदी सरकार से कहा कि वह ''अपमान'' के खिलाफ खड़ी हो जाये तथा अमेरिकन सरकार से कह दे कि ऐसी कोशिशें भारत को स्वीकार्य नहीं होंगी, क्योंकि इससे देश की अर्थव्यवस्था ''नष्ट'' हो जायेगी।

पारस्परिक टैरिफ के लिये अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा दिये गये ज्यादा जोर को दर्शाते हुए, कांग्रेस नेता अजय कुमार ने ट्रम्प के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों तथा भारत के प्रधानमंत्री की मीटिंगों के वीडियो अंश दिखाये-सुनाये तथा जोर देते हुये कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री उस समय चुप्पी साधे रहे, जब अमेरिकन राष्ट्रपति ''भारत के खिलाफ बोल रहे थे।''

उन्होंने कहा, ''हमने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को बातचीत के दौरान ट्रम्प की बात में सुधार करते हुये तथा यह कहते हुये देखा है कि वे (ट्रम्प) गलत हैं। दूसरी तरफ, नरेन्द्र मोदी के सामने, ट्रम्प भारत के लिये गलत-सलत बोलते रहे।''

कुमार ने कहा, ''वे (ट्रम्प) भारत को टैरिफ का उल्लंघनकर्ता कहते रहे, ''हम रेसिप्रोकल टैरिफ लगायेंगे,'' लेकिन नरेन्द्र मोदी खामोश बने रहे।''

कुमार ने कहा कि मोदी, ट्रम्प को अपना सर्वश्रेष्ठ मित्र बताते हैं, लेकिन वे ''भारत को अपमानित करने की लगातार कोशिश करते हैं।'' उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री की उपस्थिति में उन्होंने कहा, ''कोई भी मुझ से बहस नहीं कर सकता।''

कुमार ने कहा, ''भाजपा के लोग नरेन्द्र मोदी को ''विश्व गुरु'' कहते हुये थकते नहीं हैं, लेकिन जब प्रधानमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्रवक्ता के अनुसार, जब भी ट्रम्प ने कोई असत्य व अपमानजनक बात कही, प्रैस कॉन्फ्रैंस में, राष्ट्रपति ने सबके सामने इसका प्रतिरोध किया और ट्रम्प को चुप कराया।
- पर, ट्रम्प अपने मित्र मोदी के सामने प्रैस कॉन्फ्रैंस में कई तरह की ऊल-जलूल बातें कहते रहे, पर, प्र.मंत्री मोदी ने एक बार भी प्रतिकार नहीं किया।
- कांग्रेस प्रवक्ता ने कई और उदाहरण दिये, जब प्र.मंत्री कुछ बोल नहीं पाये। चाहे वह पाकिस्तान को उनके पुराने एफ-16 हवाई बेड़े के रख-रखाव व मरम्मत के लिये 3,000 करोड़ रूपए देने का ही निर्णय हो, साथ ही ट्रम्प ने भारत पर पुराने एफ-35 हवाई जहाजों की खरीद के लिये दबाव बनाया, जबकि इन हवाई जहाजों के डिज़ायन व निर्माण में कमी है जो कि एलन मस्क भी स्वीकार कर चुके हैं, तब भी प्र.मंत्री ने इस दबाव का विरोध नहीं किया।

संभल जामा मस्जिद का पुरातत्व सर्वे

संभल, 27 फरवरी। उच्च न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम संभल जामा मस्जिद का सर्वे करने के लिए पहुंची। जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट व अन्य पदाधिकारी भी साथ रहे। एहतियाती तौर पर मस्जिद के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। एएसआई की टीम ने

- हाईकोर्ट के आदेश पर भारतीय पुरातत्व की टीम सर्वे कर रही है कि रमज़ान में मस्जिद की रंगाई पुताई व मरम्मत की जानी चाहिए या नहीं।

करीब सवा घंटे तक मस्जिद की स्थिति का जायजा लिया।

इस रिपोर्ट के आधार पर ही जामा मस्जिद की पुताई और सजावट के लिए अनुमति का निर्णय तय हो सकेगा। संभल जामा मस्जिद कमेटी ने उच्च न्यायालय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी ने अपने कार्यकर्ता और नेताओं को, अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए युद्ध स्तर पर तैयारी करने का आह्वान किया

ममता, हाल ही में हुए उपचुनाव में भाजपा की जीत व सरकार के खिलाफ असंतोष की भावना से अनभिज्ञ नहीं हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रपति दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 फरवरी। बंगाल में चुनावी बिगुल बज उठा है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के लोगों को कहा है कि वे तैयार हो जाएं अगले चुनाव में पार्टी को विजयी बनाना है।

ममता ने कहा कि बंगाल को महाराष्ट्र या दिल्ली नहीं है उनकी यहां तृणमूल को अवश्य डराएगी। यह चुनाव ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के लिए कड़ी चुनौती है क्योंकि हालिया दो राज्यों की जीत के बाद भाजपा पहले से ज्यादा ताकतवर हो गई है।

प्रदेश भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी ने दावा किया कि हालिया चुनावी जीत से भाजपा का जनाधार बढ़ गया है और इसका असर बंगाल में महसूस किया गया है। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने दावा किया कि हालिया नतीजो से तृणमूल कांग्रेस अपना जनाधार खिसकने के डर से आशंकित है।

ममता बनर्जी जानती हैं कि जनता में भारी असंतोष है और वो जो रेवडियां बांटती हैं उससे जनता का समर्थन नहीं मिलेगा। एक ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले की जांच व कार्यवाही ने राज्य प्रशासन और सत्तारुढ़ पार्टी के प्रति नाराजगी और बढ़ा दी है। इसलिए ममता बनर्जी को अपनी पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं के बाहूबल पर ही भरोसा है।

- पर, यह भी सच है कि ममता बनर्जी ने पार्टी व पुलिस प्रशासन पर कड़ा शिकंजा कसा हुआ है और अब चुनाव में जीत के लिये वे पार्टी के बाहुबलियों व पुलिस की लाठी पर पहले से कहीं ज्यादा निर्भर हैं।
- भारी जनाक्रोश व भ्रष्टाचार के बावजूद ममता को हराना संभव नहीं लगता, जब तक उनका शिकंजा ढीला नहीं पड़ता, क्योंकि अंततोगत्वा मतदान केन्द्र पर पड़े वोटों की संख्या पर जीत निर्भर करती है और वोट नहीं पड़ने दिये तो उन्हें कौन हरा सकता है।

जबानी जंग के अलावा बंगाल के जो हालात हैं उनसे ऐसे ही लग रहा है कि अंदर ही अंदर गुस्सा पनप रहा है। पार्टी में भी असंतोष पनप रहा है कुछ गुट बेचैनी के संकेत दे रहे हैं। राज्य के अस्पताल में एक युवा डॉक्टर के दुष्कर्म हत्या के मुद्दे पर कानून व्यवस्था को लेकर असंतोष पैदा हो रहा है।

मामले की जांच और उसके बाद की पुलिस कार्यवाही से साफ पता चलता है कि प्रशासन व अपराधियों में सांठगांठ है। आम लोगों को यकीन है कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में न्याय नहीं मिल सकता है।

सवाल यह है कि तृणमूल इस जघन्य अपराध में शामिल अपराधियों को कवर अप देने में तृणमूल सरकार का क्या हित है। राज्य सरकार की आलोचना करने उसके बारे में बोलने पर पार्टी काफी कठोर रुख अपना रही है।

इसके अलावा पार्टी में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक को साइडलाइन किया जा रहा है। हाल ही में ममता ने जोर देकर कहा है कि वो पार्टी की अध्यक्ष बनी रहेंगी और सारे निर्णय उनकी मंजूरी से ही लिए जाएंगे।

अभिषेक बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव है वे काफी समय से शांत हैं। ममता बनर्जी ने अपनी सत्ता को पुनः स्थापित करने का प्रयास यह सुनिश्चित करने के लिए किया है कि कोई भी नाराज नेता अपनी बात कहने के लिए उनके पास ही आए। हर तरफ से पैसा जमा कराने का दबाव है इसलिए पार्टी बिखर रही है।

इसी के साथ यह भी सच है कि ममता बनर्जी पार्टी और राज्य के पुलिस प्रशासन पर अपनी पकड़ कायम रखना चाहती हैं अगर सत्तारुढ़ पार्टी तथा प्रशासन व पुलिस सांठगांठ पर पकड़ कमज़ोर हो गई तो चुनाव में जीतने की उम्मीद ना के बराबर रह जाएगी।

हालांकि अन्य दलों, जैसे भाजपा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी को गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने तीन प्रमाण पत्र दिए

महाकुंभनगर, 27 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मेला प्राधिकरण द्वारा बनाए गए तीन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र गुरुवार को भेंट किया गया।

- पहला प्रमाण पत्र, एक ही समय में सर्वाधिक 329 लोगों द्वारा सफाई करने, दूसरा सर्वाधिक 19,000 कर्मियों द्वारा सफाई अभियान चलाने और तीसरा 8 घंटे तक 10,102 लोगों द्वारा हैंड प्रिंट का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए है।

इन तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में से पहला, एक साथ सर्वाधिक लोगों (329) द्वारा एक ही समय में कई स्थलों पर नदी की सफाई, दूसरा, एक साथ सर्वाधिक संख्या 19 हजार सफाईकर्मियों द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)